

4/12/19, पत्रावली पेश हुई, उभयपक्ष उपस्थित। वकील
काश्चित्ता द्वारा संशोधित दाखल पेश किया
गया जिसकी तबल प्रतिवादी काश्चित्ता को
डिमाई गई। पत्रावली नंब 13/6/20 को
आपत्तवादी हेतु पेश हो।

13/1/20- पत्रावली पेश हुई, उभयपक्ष उपस्थित।
इस पत्रावली में प्रतिवादी द्वारा व्य-
जायब काय प्रस्तुत किया गया है।
इस पत्रावली पर दायर में विचारार्थ है
जिसके पत्रावली में लम्बी-पत्र व्यापक किया
है। संक्षेप किया जाया गया है।
पत्रावली वाले व्यापक लम्बी में डी.17/2/20
को पेश हो।

17-2-20 पत्रावली पेश हुई उभयपक्ष उप-
उ.20 सा. का स्थानांतरण होने से
अब पत्रावली पुर्नानुसार दिनांक 16-3-20
को पेश हो।

25/2/20- पत्रावली दि. 16.3.20 को सिधव की
इस पत्रावली में वादीया ककमन कर
द्वारा वाड को विज्ञा किया जाने का
प्राप्त पत्र व्य विवेक किया है कि
पारिवारिक तौर पर रानी नाम होने से
व्यापक विज्ञा व्यापक पहली है। प्राप्त
प्राप्त-पत्र पर प्रतिवादी कोमल सिंह ने
व्यापक विज्ञा किया व अविपत्ता कही व
अविपत्ता प्रतिवादी द्वारा व्यापक व्य
अविपत्ता प्रतिवादी द्वारा व्यापक कही गया
संश्लेष किया है। यदि वादीया व प्रतिवादी
जो की व्यापक परिवा है के मध्य रानी नाम
हो चुका है। अतः प्राप्त स्वीकार किया
जाता है। वादीया का वाड पर विज्ञा किया
जाया पत्रावली के तबल सुगम की जाती है।

कोमल सिंह
पहचान
दि. 25/2/20

कोमल सिंह